तर्ज-महबूब मेरे तूं है तो दुनिया

महबूब मेरे माशूक मेरे,
तू रूबरू है तो रूह सुख पाए
जो तू नहीं तो तसव्वुर तेरा हाय
1- लेते थे कायम सुख जो धाम में हाय
कहां है वह कायम मस्ती धाम की हाय
बेबसी पे रूहों की क्यों आती है हंसी
2- नयना तेरे मद भरे मय के प्याले
मोमिन इनमें ड्रबें रहें होके मतवाले
डूब के फिर न निकले रहें इनमें गर्क हैं
3- सितम जुदाई का जो किया,होंठ सी लिए
तूने हमको तड़पाया अश्क पी लिए
धनी हुकम भी तुम खुद हो,अपना कुछ भी
तो नहीं है
4- तड़पाना दिलबर मेरे है ये अदा तेरी
फिर भी फिदा रूहें तुझपे यह है मेहर तेरी
तेरी हर एक अदा पे रुहें दिल से फिदा हैं

Nijanand App